



PROF. BANGALORE NANJUNDAIAH GANGADHAR

Prof. Bangalore Nanjundaiah Gangadhar is the Director and a Senior Professor of Psychiatry at the National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru. Prof Gangadhar brings over 30 years of extensive experience in the fields of mental health, yoga & integrative medicine, a digital platform for dissemination of knowledge and electroconvulsive therapy.

2. Born on 3rd October, 1955, Prof. Gangadhar received his Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (MBBS) degree from the Bangalore Medical College in 1977, Doctor of Medicine (M.D.) in Psychiatry degree from NIMHANS, Bengaluru in 1981, and Doctor of Science (D.Sc) in Yoga from Swami Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana (SVYASA) University, Bengaluru for his research work on Yoga and Mental Health in 2012. He has mentored several generations of clinicians & researchers in the field of mental health and yoga. In conclusion, Prof. Gangadhar, an outstanding psychiatrist has carried out path-breaking research, which has had a direct translational impact in the treatment of psychiatric disorders by non-pharmacological methods, such as Yoga and ECT that is of immense importance for our country.

3. Prof. Gangadhar has done pioneering clinical and research works in the area of yoga over the past two decades. He established a center dedicated for yoga therapy and research at NIMHANS — namely —NIMHANS integrated Center for Yoga (NiCY). The yoga center has been fairly active in disseminating scientific evidence through several academic meetings. He is the editor-in-chief of the quarterly bulletin that is released by the Yoga Center for continued communication of recent advances in the science and practice of yoga. In addition, he has brought out 3 books in the area of clinical, scientific and research studies in yoga. Given the record of accomplishment of these clinical, academic, research and training activities of the yoga center under the stellar leadership of Dr. Gangadhar, the Government of India has approved his proposal for establishing an integrative department that blends the Yoga, Ayurveda and Modern Medicine at NIMHANS —this is unique and first of its kind facility in India. Prof Gangadhar envisages this Department of Integrative Medicine will lead to a path-breaking paradigm shift towards imparting inclusive holistic treatment to suffering patients as well as promoting a healthy living style that has immense potential for disease prevention.

4. Prof. Gangadhar is instrumental in the development of NIMHANS Digital Academy (NDA). This is a unique virtual institute that offers formal professional courses for mental health services. This is an offshoot of an earlier digital learning facility. This combines both teaching and services using digital technology and the Honourable Union Minister of Health and Family Welfare inaugurated the NDA in the virtual mode in June 2018. This Academy also participates in setting up of similar academies in each state, Jharkhand (Ranchi), Assam (Tezpur), Gujarat (Ahmedabad) are a few to name. NDA also has taken up state-wide human resources development in mental health in other states; Sikkim, Bihar, Chhattisgarh, Orissa are some states to name.

5. Prof. Gangadhar has done pioneering works on the role of electroconvulsive therapy (ECT) in different diagnostic situations in psychiatry, the standards for the ECT device, stimulus parameters, stimulus laterality, significance of physiological monitoring, standards of anaesthetic modification and monitoring cognitive status during ECT. These works have immensely enhanced the standards of ECT practice in India.

6. Prof. Gangadhar's impactful research works have resulted in more than 400 publications in national/international journals. He has been conferred the prestigious Fellowship of National Academy of Medical Sciences in 2006, Fellowship of the Royal College of Physicians (Edinburgh) in 2018 and Fellowship of the Indian Academy of Sciences in 2019. He is the recipient of prestigious awards like Sir C.V. Raman Award for Medical Sciences, Government of Karnataka, Department of Science and Technology (1999), Doctors Day Award, Department of Medical Education, Karnataka (2009) and Kempegowda Award by the BBMP Karnataka (2010) and several others.





प्रो. बेंगलूरु नंजुंडय्या गंगाधर

प्रो. बेंगलूरु नंजुंडय्या गंगाधर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (निमहंस), बेंगलुरु में मनोचिकित्सा विभाग के निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। प्रो. गंगाधर को मानसिक स्वास्थ्य, योग और एकीकृत चिकित्सा, जानकारी के प्रचार–प्रसार के एक डिजिटल मंच तथा इलेक्ट्रोकनवल्सिव थेरेपी जैस क्षेत्रों में 30 वर्ष से अधिक का व्यापक अनुभव हासिल है।

2. दिनांक 3 अक्टूबर, 1955 को जन्मे, प्रो. गंगाधर ने वर्ष 1977 में बैंगलोर मेडिकल कॉलेज से बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की डिग्री प्राप्त की और वर्ष 1981 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (निमहंस), बेंगलुरु से मनोचिकित्सा की डिग्री प्राप्त की और उन्होंने वर्ष 2012 में योग और मानसिक स्वास्थ्य पर उनके शोध कार्य के लिए स्वामी विवेकानंद योग अनुसन्धान संस्थान (एसवीवाईएएसए) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु से डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी) की डिग्री प्राप्त की। वह मानसिक स्वास्थ्य और योग के क्षेत्र में चिकित्सकों और शोधकर्ताओं की कई पीढ़ियों के परामर्शक रहे हैं। निष्कर्ष के रूप में, उत्कृष्ट मनोचिकित्सक प्रो. गंगाधर ने मौलिक शोध किया है जिसमें योग और ईसीटी जैसे गैर–औषधीय तरीकों से, मनोविकारों के उपचार में सफलता प्राप्त की गई है। यह शोध हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

3. प्रो. गंगाधर ने पिछले दो दशकों के दौरान योग के क्षेत्र में अग्रणी नैदानिक और अनुसंधान कार्य किया है। उन्होंने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (निमहंस) में योग चिकित्सा और अनुसंधान के प्रति समर्पित निमहंस इंटीग्रेटेड सेंटर फॉर योगा (एनआईसीवाई) नामक एक केंद्र की स्थापना की। यह योग केंद्र विभिन्न शैक्षिक बैठकों के माध्यम से वैज्ञानिक प्रमाणों के प्रचार–प्रसार में काफी सक्रिय रहा है। वह त्रैमासिक बुलेटिन के प्रधान संपादक हैं, जिसे योग केंद्र द्वारा योगाभ्यास और विज्ञान के क्षेत्र में हाल की नवीनतम प्रगति की जानकारी देने के लिए जारी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने योग में नैदानिक, वैज्ञानिक और अनुसंधान अध्ययन के क्षेत्र में 3 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। प्रो. गंगाधर के कुशल नेतृत्व में योग केंद्र की इन नैदानिक, शैक्षिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए, निमहंस में योग, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा के एकीकृत विभाग, जो भारत में इस प्रकार की सुविधा प्रदान करने वाला एक अनूठा विभाग होगा, की स्थापना के उनके प्रस्ताव को भारत सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रो. गंगाधर द्वारा परिकल्पित एकीकृत चिकित्सा विभाग, तकलीफ झेल रहे रोगियों को समावेशी और समग्र उपचार प्रदान करने तथा रोगों से बचाव की असीम संभावनाओं वाली एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने का एक मौलिक और परिवर्तनकारी प्रयास होगा।

4. प्रो. गंगाधर की निमहंस डिजिटल अकादमी (एनडीए) के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। यह विशिष्ट रूप से एक वर्चुअल संस्थान है जो मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए औपचारिक पेशेवर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। यह पूर्व डिजिटल शिक्षण सुविधा का एक हिस्सा है। यह डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए शिक्षण और सेवाओं, दोनों को जोड़ता है और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने जून, 2018 में वर्चुअल मोड में निमहंस डिजिटल अकादमी का उद्घाटन किया था। यह अकादमी प्रत्येक राज्य में इस प्रकार की अकादमियों की स्थापना में भाग लेती है जिनमें से झारखंड (रांची), असम (तेजपुर), गुजरात (अहमदाबाद) आदि कुछ राज्य शामिल हैं। अन्य राज्यों, जिनमें सिक्किम, बिहार, छत्तीसगढ़, उड़ीसा आदि कुछ राज्य शामिल हैं, में मानसिक स्वास्थ्य में राज्य–व्यापी मानव संसाधन विकास का कार्य भी शुरू किया गया है।

5. प्रो. गंगाधर ने मनोचिकित्सा की विभिन्न नैदानिक स्थितियों में इलेक्ट्रोकनवल्सिव थेरेपी (ईसीटी) की भूमिका, ईसीटी डिवाइस के लिए मानक, सिटिम्यूलस पैरामीटर, सिटिम्यूलस लैटरिटी, शारीरिक क्रिया की निगरानी के महत्व, निश्चेतक परिवर्तन के स्तर, ईसीटी के दौरान संज्ञानात्मक स्थिति की निगरानी पर उत्कृष्ट कार्य किया है। इन कार्यों से भारत में ईसीटी के प्रयोग का स्तर काफी ऊंचा उठा है।

6. प्रो. गंगाधर के प्रभावशाली शोध कार्यों के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 400 से अधिक प्रकाशन हो चुके हैं। उन्हें वर्ष 2006 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्रतिष्ठित फैलोशिप, वर्ष 2018 में रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एडिनबरा) की फैलोशिप और वर्ष 2019 में इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्होंने सर सी.वी. रमन अवार्ड फॉर मेडिकल साइंसेस, कर्नाटक सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (1999), डॉक्टर्स डे अवार्ड, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कर्नाटक (2009) और बीबीएमपी कर्नाटक द्वारा केम्पेगौड़ा पुरस्कार (2010) और अनेक अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं।